# उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

## ज्योतिष-वास्तुविभागः

### ऑनलाइन/ ऑफलाइन एक वर्षीय पी. जी. वास्तु डिप्लोमा पाठ्यक्रम

( Online/ Offline One Year P.G.Vastu Diploma Course)

(2026-27 प्रभावी)

---

**प्रथम सत्र (1th Semester)**

विषय - **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **प्रथम पत्र CC-01** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **प्रथम पत्र CC-01** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क - 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्य विषय** | **अङ्क** |
| 1 | वास्तुशास्त्र का संक्षिप्त परिचय | 15 |
| 2 | वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति | 15 |
| 3 | वास्तुशास्त्र के भेद | 15 |
| 4 | वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थों का परिचय | 15 |
| 5 | वास्तुशास्त्र की उपयोगिता | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

**प्रथम सत्र (1th Semester)**

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **द्वितीय पत्र CC-02** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **द्वितीय पत्र CC-02** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्यविषय** | **अङ्क** |
| 1 | पञ्चमहाभूतों का परिचय | 15 |
| 2 | वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूतों की उपयोगिता | 15 |
| 3 | भूमि की गुणवत्ता | 15 |
| 4 | शल्य विचार, जल प्रबन्धन, सूर्य प्रकाश प्रबन्धन | 15 |
| 5 | भूमि के दोष, भूमि का प्लवत्व, वायुतत्व प्रबन्धन,खिड़की, झरोखा ( गवाक्ष), आकाश, कक्ष की ऊँचाई, ब्रह्मस्थान आदि विचार। | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

**प्रथम सत्र (1th Semester)**

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **तृतीय पत्र CC-03** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **तृतीय पत्र CC-03** | **पी.जी.डी.वास्तु** | **पूर्णाङ्क 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्यविषय** | **अङ्क** |
| 1 | भूखण्ड चयन विधि | 15 |
| 2 | भूमि शोधन | 15 |
| 3 | भूमि के आकार – प्रकार | 15 |
| 4 | दिक् शोधन | 15 |
| 5 | दिक् परिचय एवं साधन | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

**प्रथम सत्र (1th Semester)**

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **चतुर्थ पत्र CC-04** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **चतुर्थ पत्र CC -04** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्य विषय** | **अङ्क** |
| 1 | पञ्चाङ्ग परिचय – तिथि, वार, नक्षत्र, योग , करण | 15 |
| 2 | ग्रह मैत्री – तात्कालिक एवं नैसर्गिक | 15 |
| 3 | मुहूर्त्त परिचय | 15 |
| 4 | लग्नज्ञान, सारणी द्वारा, | 15 |
| 5 | स्पष्टग्रह परिचय पञ्चाङ्ग द्वारा | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

**प्रथम सत्र (1th Semester)**

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100 पञ्चम पत्र CC-05 अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **पञ्चम पत्र CC -05** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्य विषय** | **अङ्क** |
| 1 | गृहारम्भ में विहित मास, राहुमुख पुच्छ विचार(खातविधि) | 15 |
| 2 | भूमिशयन विचार | 15 |
| 3 | शिलान्यास विधि | 15 |
| 4 | गृहारम्भ मुहूर्त्त | 15 |
| 5 | गृह प्रवेश मुहूर्त्त | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन के 25अङ्कों का विभाजन निम्नवत है -**

1. आन्तरिक प्रशिक्षण/प्रदत्त नियत कार्य = 10
2. शास्त्र सम्बन्ध सङ्गोष्ठी/शास्त्र परिचर्चा = 5
3. शिक्षणस्रोत सामग्री चयन और प्रबन्धन = 5
4. उपस्थिति – 75%= 1 अंक, 76-80%= 2 अंक,
   81-85%= 3 अंक, 86-90%= 4अंक,
   91% से अधिक = 5 अंक।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –**


**1.** बृहत् संहिता (वास्तुविद्याध्याय ) – आचार्य वराहमिहिर
**2.** समरांगण सूत्रधार- श्री भोजराज
**3.** बृहद् वास्तुमाला- रामनिहोर द्विवेदी
**4.** मनुष्यालय चन्द्रिका- आचार्य नीलकण्ठ
**5.** मुहूर्त्त चिन्तामणि - आचार्य रामदैवज्ञ
**6.** भारतीय वास्तुशास्त्र – प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
**7.** वास्तु सार- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी
**8.** वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार - प्रो. बिहारीलाल शर्मा
**9.** वास्तु दर्शन- डॉ. पी. वी. ओसेफ
**10.** भारतीय कुण्डली विज्ञान लेखक- मीठा लाल हिमन्तराम ओझा
**11.** श्री केदार मानस पञ्चाङ्ग / अन्य पञ्चाङ्ग

## ऑनलाइन/ ऑफलाइन एक वर्षीय पी. जी. डी. वास्तु पाठ्यक्रम

## द्वितीय सत्र ($2^{th}$ Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **षष्ठ पत्र CC-06** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| षष्ठ पत्र CC-06 | पी.जी.डी. वास्तु | पूर्णाङ्क 75+25=100 |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्य विषय** | **अङ्क** |
| 1 | वर्ग एवं काकणी विचार | 15 |
| 2 | भूखण्ड के विविध प्रकार एवं फल | 15 |
| 3 | भूखण्ड की लम्बाई- चौड़ाई एवं क्षेत्रफल | 15 |
| 4 | आयादि विचार | 15 |
| 5 | पिण्ड साधन | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

## द्वितीय सत्र ($2^{th}$ Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **सप्तम पत्र CC-07** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| सप्तम पत्र CC-07 | पी.जी.डी. वास्तु | पूर्णाङ्क 75+25=100 |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्यविषय** | **अङ्क** |
| 1 | वास्तु में पद विन्यास | 15 |
| 2 | ब्रह्म स्थान और उसका महत्व | 15 |
| 3 | शिलान्यास विधि | 15 |
| 4 | सोपान विचार | 15 |
| 5 | जल विधान | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

## द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **अष्टम पत्र CC-08** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **अष्टम पत्र CC-08** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्यविषय** | **अङ्क** |
| 1 | वास्तु एवं पर्यावरण | 15 |
| 2 | वास्तु के अनुसार शुभाशुभ वृक्ष वनस्पति प्रयोग | 15 |
| 3 | वास्तु के अनुरूप शुभाशुभ विचार | 15 |
| 4 | वास्तु सम्मत योज्यायोज्य चित्र | 15 |
| 5 | वास्तुदोष निवारण एवं शान्ति | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

## द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 75+25=100** **नवम पत्र CC-09** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| **नवम पत्र CC -09** | **पी.जी.डी. वास्तु** | **पूर्णाङ्क 75+25=100** |
|---|---|---|
| **पाठ्यविभाग** | **पाठ्य विषय** | **अङ्क** |
| 1 | देवालय वास्तु | 15 |
| 2 | औद्योगिक इकाई | 15 |
| 3 | वाणिज्यिक केन्द्र | 15 |
| 4 | शैक्षणिक संस्थान | 15 |
| 5 | चिकित्सालयीय वास्तु | 15 |
| 6 | **अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन** | 25 |

## द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा वास्तु**

**पूर्णाङ्क – 100** **दशम पत्र CC-10** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

| | | | |
|---|---|---|---|
| दशम पत्र CC-10 | प्रायोगिक -मौखिक वाक् परीक्षा / रीसर्च प्रोजेक्ट / लघु शोध | पूर्णाङ्क 100 | अर्जिताधिकार(क्रेडिट) 06 |

**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन के 25 अङ्कों का विभाजन निम्नवत है -**

1. आन्तरिक प्रशिक्षण/प्रदत्त नियत कार्य = 10
2. शास्त्र सम्बन्ध सङ्गोष्ठी/शास्त्र परिचर्चा = 5
3. शिक्षणस्रोत सामग्री चयन और प्रबन्धन = 5
4. उपस्थिति –

   75%=1 अंक, 76-80%=2अंक,

   81-85%=3अंक, 86-90%=4अंक,

   91% से अधिक =5अंक।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –**


**12.** बृहत् संहिता (वास्तुविद्याध्याय ) – आचार्य वराहमिहिर

**13.** समरांगण सूत्रधार- श्री भोजराज

**14.** बृहद् वास्तुमाला- रामनिहोर द्विवेदी

**15.** मनुष्यालय चन्द्रिका- आचार्य नीलकण्ठ

**16.** मुहूर्त्त चिन्तामणि - आचार्य रामदैवज्ञ

**17.** भारतीय वास्तुशास्त्र – प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी

**18.** वास्तु सार- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

**19.** वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार - प्रो. बिहारीलाल शर्मा

**20.** वास्तु दर्शन- डॉ. पी. वी. ओसेफ

**21.** भारतीय कुण्डली विज्ञान लेखक- मीठा लाल हिमन्तराम ओझा

**22.** श्री केदार मानस पञ्चाङ्ग / अन्य पञ्चाङ्ग